

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री कल्पित शिवरान

प्रकरण सं० : 43/2024

अनवान :

राजकुमार पुत्र दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।

बनाम

:- वादी

1. दलीप पुत्र दुनीराम जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
2. सतपाल पुत्र दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
3. सुनीता पुत्री दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
4. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार राजस्व भादरा।
5. भंवरी देवी पत्नी दलीप सिंह जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : इस्तकरार हक

अन्तर्गत धारा 88 राज०काश्त०अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री राममूर्ति ताखर : वादी

वकील श्री राधेश्याम : प्रतिवादी सं० 1 ता 3,5

निर्णय

दिनांक : 13.12.24

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि रोही मौजा सुरतपुरा के खाता सं० 228/167 के मु०नं० 45 के कि०नं० 21, 22 प्रत्येक की 0.253 है० मु०नं० 67 के कि०नं० 1, 2, 9 ता 12, 19 ता 22 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०नं० 68 के कि०नं० 1 व 2 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 3.5420 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/24 हिस्सा, खाता संख्या 16/11 के मु०नं० 183 के कि०नं० 4 की 0.253 है०, कि०नं० 5/2 की 0.1140 है०, कि०नं० 6/2 की 0.013 है०, कि०नं० 7/2 की 0.152 है०, कि०नं० 14/2 की 0.013 है०, कि०नं० 15/2 की 0.2020 है०, कि०नं० 16 की 0.253 है०, कि०नं० 17/2 की 0.2020 है०, मु० नं० 184 के कि०नं० 16 की 0.228 है०, 17 ता 24 प्रत्येक की 0.253 है०, कि०नं० 25 की 0.228 है० मु०नं० 185 के कि०नं० 21 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है० मु०नं० 188 के कि०नं० 1 ता 5, 10 प्रत्येक की 0.253 है० मु०नं० 189 के कि०नं० 5 की 0.228 है० कुल 6.1870 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा तथा रोही मौजा 9 जे०एस०एल० के खाता संख्या 24/21 के मु०नं० 112 के कि०नं० 6 ता 9, 12 ता 19 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०नं० 157 के कि०नं० 11 ता 13, 18 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०नं० 166 के कि० नं० 9, 11, 12, 20 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०नं० 231 के कि०नं० 20 व 21 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 6.8310 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू है तथा हिन्दू विधि से शासित होते है। वादभूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी ने प्रतिवादीगण को वादभूमि में वादी के खातेदारी हकों की घोषणा कर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं० 1 ता 3 द्वारा आपसी सहमती से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादी सं० 4 द्वारा जबाबदावा पेश किया गया। प्रतिवादी संख्या 5 द्वारा इकबालदावा पेश किया गया। प्रतिवादीगण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में राजकुमार पुत्र दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में जमाबंदी रोही मौजा 9 जे०एस०एल० खाता संख्या 24/21 सम्वत 2076-79 प्रदर्श 1, जमाबंदी रोही मौजा सुरतपुरा खाता संख्या 16/11 सम्वत 2075-2078 प्रदर्श 2, जमाबंदी रोही मौजा सुरतपुरा खाता संख्या 228/167 सम्वत 2075-2078 प्रदर्श 3, जमाबंदी रोही मौजा 9 जे०एस०एल० खाता संख्या 45 सम्वत 2029-2038 प्रदर्श 4, जमाबंदी रोही मौजा सुरतपुरा खाता संख्या 126/119 प्रदर्श 5, जमाबंदी रोही मौजा सुरतपुरा खाता संख्या 61 संवत 2029-2038 प्रदर्श 7 सदस्य प्रमाण पत्र जमाबंदी रोही मौजा सुरतपुरा बारानी खाता संख्या 15 संवत 2029-2038 प्रदर्श 8, शपथ पत्र बाबत सदस्य प्रमाण पत्र प्रदर्श 9 प्रदर्शित करवाये गये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी एवं प्रतिवादीगण का जन्म

से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं० 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी एवं प्रतिवादीगण के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादी डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

न्यायालय द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने रोही मौजा सुरतपुरा व 9 जे०एस०एल० के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में सत्यप्रतिलिपि जमावंदी व सदस्य प्रमाण पत्र प्रदर्श 1 से 9 प्रदर्शित करवाये। वाद भूमि रोही मौजा सुरतपुरा के खाता सं० 228/167 के मु०न० 45 के कि०न० 21, 22 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 67 के कि०न० 1, 2, 9 ता 12, 19 ता 22 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 68 के कि०न० 1 व 2 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 3.5420 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/24 हिस्सा, खाता संख्या 16/11 के मु०न० 183 के कि०न० 4 की 0.253 है०, कि०न० 5/2 की 0.1140 है०, कि०न० 6/2 की 0.013 है०, कि०न० 7/2 की 0.152 है०, कि०न० 14/2 की 0.013 है०, कि०न० 15/2 की 0.2020 है०, कि०न० 16 की 0.253 है०, कि०न० 17/2 की 0.2020 है०, मु० न० 184 के कि०न० 16 की 0.228 है०, 17 ता 24 प्रत्येक की 0.253 है०, कि०न० 25 की 0.228 है० मु०न० 185 के कि०न० 21 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 188 के कि०न० 1 ता 5, 10 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 189 के कि०न० 5 की 0.228 है० कुल 6.1870 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा तथा रोही मौजा 9 जे०एस०एल० के खाता संख्या 24/21 के मु०न० 112 के कि०न० 6 ता 9, 12 ता 19 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 157 के कि०न० 11 ता 13, 18 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 166 के कि० न० 9, 11, 12, 20 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 231 के कि०न० 20 व 21 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 6.8310 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त सम्पूर्ण वादभूमि में प्रतिवादी सं० 1 दलीप का नाम कलमजन कर वादी राजकुमार व प्रतिवादी संख्या 2 सतपाल को खातेदार घोषित किया जावे। चूंकि प्रतिवादी सं० 1, 3 व 5 ने अपना हक हिस्सा वादी राजकुमार व प्रतिवादी संख्या 2 सतपाल के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है अतः वाद वादी मुताबिक राजीनामा स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है।

क्रियात्मक आदेश

अतः वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सुरतपुरा के खाता सं० 228/167 के मु०न० 45 के कि०न० 21, 22 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 67 के कि०न० 1, 2, 9 ता 12, 19 ता 22 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 68 के कि०न० 1 व 2 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 3.5420 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/24 हिस्सा, खाता संख्या 16/11 के मु०न० 183 के कि०न० 4 की 0.253 है०, कि०न० 5/2 की 0.1140 है०, कि०न० 6/2 की 0.013 है०, कि०न० 7/2 की 0.152 है०, कि०न० 14/2 की 0.013 है०, कि०न० 15/2 की 0.2020 है०, कि०न० 16 की 0.253 है०, कि०न० 17/2 की 0.2020 है०, मु० न० 184 के कि०न० 16 की 0.228 है०, 17 ता 24 प्रत्येक की 0.253 है०, कि०न० 25 की 0.228 है० मु०न० 185 के कि०न० 21 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 188 के कि०न० 1 ता 5, 10 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 189 के कि०न० 5 की 0.228 है० कुल 6.1870 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा तथा रोही मौजा 9 जे०एस०एल० के खाता संख्या 24/21 के मु०न० 112 के कि०न० 6 ता 9, 12 ता 19 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 157 के कि०न० 11 ता 13, 18 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 166 के कि० न० 9, 11, 12, 20 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 231 के कि०न० 20 व 21 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 6.8310 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त सम्पूर्ण वादभूमि में प्रतिवादी सं० 1 दलीप का नाम कलमजन कर वादी राजकुमार व प्रतिवादी संख्या 2 सतपाल को खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी संख्या 1, 3 तथा 5 ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी संख्या 2 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है अतः त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने पर व यदि कृषि भूमि रहन है तो रहनमुक्त होने के उपरान्त उपरोक्तनुसार राजस्व रिकार्ड में अमलदारमद किया जाकर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 13.12.2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(कल्पित शिवसानी) RAS
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री कल्पित शिवरान

प्रकरण सं० : 43/2024

अनवान :

राजकुमार पुत्र दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।

:- वादी

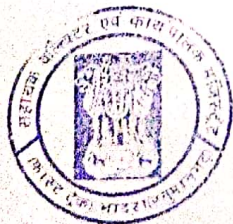
बनाम

1. दलीप पुत्र दुनीराम जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
2. सतपाल पुत्र दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
3. सुनीता पुत्री दलीप जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।
4. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार राजस्व भादरा।
5. भंवरी पत्नी दलीप सिंह जाति जाट निवासी सुरतपुरा तहसील भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद न्यायालय सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री राममूर्ति ताखर एवं वकील प्रतिवादीगण श्री राधेश्याम की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सुरतपुरा के खाता सं० 228/167 के मु०न० 45 के कि०न० 21, 22 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 67 के कि०न० 1, 2, 9 ता 12, 19 ता 22 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 68 के कि०न० 1 व 2 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 3.5420 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/24 हिस्सा, खाता संख्या 16/11 के मु०न० 183 के कि०न० 4 की 0.253 है०, कि०न० 5/2 की 0.1140 है०, कि०न० 6/2 की 0.013 है०, कि०न० 7/2 की 0.152 है०, कि०न० 14/2 की 0.013 है०, कि०न० 15/2 की 0.2020 है०, कि०न० 16 की 0.253 है०, कि०न० 17/2 की 0.2020 है०, मु० न० 184 के कि०न० 16 की 0.228 है०, 17 ता 24 प्रत्येक की 0.253 है०, कि०न० 25 की 0.228 है० मु०न० 185 के कि०न० 21 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 188 के कि०न० 1 ता 5, 10 प्रत्येक की 0.253 है० मु०न० 189 के कि०न० 5 की 0.228 है० कुल 6.1870 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा तथा रोही मौजा 9 जे०एस०एल० के खाता संख्या 24/21 के मु०न० 112 के कि०न० 6 ता 9, 12 ता 19 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 157 के कि०न० 11 ता 13, 18 ता 23 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 166 के कि० न० 9, 11, 12, 20 प्रत्येक की 0.253 है०, मु०न० 231 के कि०न० 20 व 21 प्रत्येक की 0.253 है० कुल 6.8310 है० में प्रतिवादी संख्या 1 का 1/2 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त सम्पूर्ण वादभूमि में प्रतिवादी सं० 1 दलीप का नाम कलमजान कर वादी राजकुमार व प्रतिवादी संख्या 2 सतपाल को खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी संख्या 1, 3 तथा 5 ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी संख्या 2 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है अतः त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटि अदा करने पर व यदि कृषि भूमि रहन है तो रहनमुक्त होने के उपरान्त उपरोक्तनुसार राजस्व रिकार्ड में अमलदारमद किया जाकर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 15.12.24... को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



(कल्पित शिवरान)
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़